॥ श्रीः ॥

आल्हखण्ड--बड़ा।

असली २३ लड़ाई ५२ गढविजय।

(महोबेकी बोलीमें)

जिसमें

पृथ्वीराज आदि राजाओंके साथ आल्हा ऊदलि आदि
महावीरोंका युद्ध आल्हाछन्दमें वर्णित है।

उसीको

आल्हा गानेवाले प्रेमियोंके चित्तविनोदार्थ,
पं० नारायणप्रसाद सीतारामजीसे संकलित एवं परिवर्धित कराय,

गंगाविष्णु श्रीकृष्णदासजीने

अपने "**लक्ष्मीवेंकटेश्वर**" छापेखानेमें
छापकर प्रकाशित किया.

संवत् १९८४, शके १८४९

कल्याण-मुंबई.